इतिहास शिक्षण के मूल्य:-

इतिहास-शिक्षण के मूल्य के बारे में एम॰ रौलिन ने लिखा है- "मैं बच्चों को सबसे पहले इतिहास पढ़ाने के पक्ष में हूं, क्योंकि इसमें उन्हें ज्ञान प्राप्त होता है, मनोरंजन होता है, उनमें समझदारी पैदा होती है तथा इनकी भावनाओं का विकास होता है। साथ ही इतिहास उनके स्मृति पटल पर तथ्यों की बहुलता भी एकत्रित करता है जो उनके लिए उपयोगी सिद्ध होगी"

इतिहास शिक्षण के प्रमुख मूल्य निम्नलिखित है।

(1):- नैतिक मूल्य:- पाठ्यक्रम में इतिहास को इस कारण बहुत महत्वपूर्ण स्थान दिया जाता है। कि वह नैतिकता की शिक्षा प्रदान करता है। इसके अध्ययन से बालक संतों, महात्माओं, सुधारकों नेताओं तथा प्रसिद्ध व्यक्तियों के बहुमूल्य विचारों के सम्पर्क में आता है।

इसके अतिरिक्त बालक यह जान जाता है कि अन्त में सत्य की विजय होती है- चाहे सत्य-प्रेमी को जीवन में कितने ही कष्ट क्यों न उठाने पड़े। असत्यता द्वारा पतन ही होता है, इससे भी बालक परिचित हो जाते हैं।

(2):- सांस्कृतिक तथा सामाजिक मूल्य:- इतिहास हमें अपनी वर्तमान संस्कृति को समझने के योग्य बनाता है, वह वर्तमान काल की संस्थाओं तथा दशाओं के उद्गम की विवेचना करता है और इन प्रश्नो का उत्तर देता है, जैसे; कब, कैसे और कहाँ से इन संस्थाओं का उद्गम हुआ। इतिहास हमारे वर्तमान समाज तथा संस्कृति का स्पष्टीकरण करता है। आज जब हम भौतिक मूल्यों की ओर आकृष्ट हो रहे है तो यह आवश्यक हो जाता है कि हम अपनी संस्कृति में आस्था रखे और

प्राचार्य
मीरा मेमोरियल महाविद्यालय

अपने सांस्कृतिक तथा सामाजिक मूल्यों को जानें। साथ ही अपनी सांस्कृतिक विरासत के प्रति महत्व की भावना विकसित करें।

③ अनुशासनात्मक मूल्य:- इतिहास मानसिक शिक्षा के लिए बहुत ही लाभदायक है। इसके द्वारा स्मरण तर्क तथा कल्पना-शक्ति का विकास होता है। यह कहा जा सकता है कि इतिहास द्वारा जितना मस्तिष्क को शिक्षित किया जाता है, उतना शिक्षालय के किसी अन्य विषय से नहीं किया जा सकता। परन्तु यह तभी सम्भव है, जब बालक स्वयं इतिहास के अध्ययन में तुलना तथा विवेचना करें। इसके अतिरिक्त वह तथ्यों के विवेचना के पश्चात सत्यता का पता लगाये तथा अपनी निर्णय-शक्ति का प्रयोग करे और सिद्धान्तों का निर्धारण करें।

④ सूचनात्मक मूल्य:- इसमें कोई सन्देह नहीं है कि इतिहास सूचनाओं का भण्डार है, जिसके द्वारा छात्र अपनी ज्ञान-पिपासा को तृप्त कर सकता है। इतिहास में बालक अपनी शक्ति तथा अनुभव के आधार पर खोज कर सकता है।

⑤ राष्ट्रीय मूल्य:- इसमें कोई सन्देह नहीं है कि इतिहास अपने अध्ययन करने वालों में देश-प्रेम तथा देश भक्ति उत्पन्न करता है। इसी तत्व के कारण जर्मन निवासियों ने इतिहास को बहुत महत्वपूर्ण स्थान दिया था। देश-प्रेम तथा देश-भक्ति का उद्देश्य निर्धारित कर उन्होंने अपने शिक्षालयों में इतिहास-शिक्षण प्रारम्भ किया और इसके द्वारा एक पवित्र आर्य-जाति का सृजन किया।

इतिहास का उद्देश्य - युक्तिसंगत देश-प्रेम उत्पन्न करना तथा विश्व-बन्धुत्व की भावना को विकसित करना

प्राचार्य
मीरा मेमोरियल महाविद्यालय

नागरिक मूल्य :- गालिक महोदय का कथन है कि "इतिहास स्वदेश-प्रेम की भावना को जाग्रत करने का प्रयत्न करता है। यह राष्ट्रीय गर्व को प्रदान कर अच्छे नागरिक बनाने का प्रयास करता है। यही इसका मुख्य उद्देश्य होना चाहिए" ।

नागरिक शास्त्र-शिक्षण का मुख्य ~~उद्देश्य~~ ध्येय - अच्छे नागरिक उत्पन्न करना है। जब नागरिक-शास्त्र इतिहास का अंग था, तब योग्य नागरिक उत्पन्न करना इतिहास शिक्षण का ~~अंग~~ उद्देश्य माना जा सकता था। परन्तु जब वैज्ञानिकों ~~ने~~ और लोकतान्त्रिक प्रवृत्तियों ने नागरिक शास्त्र को पृथक विषय का स्थान प्रदान कर दिया तब इतिहास-शिक्षण का उद्देश्य योग्य नागरिक उत्पन्न करना नहीं माना जा सकता है।

इतिहास सामाजिक जीवन के धार्मिक, भौतिक आर्थिक तथा राजनैतिक अंगों का विवेचना करके जीवन की वास्तविक समस्याओं का ज्ञान कराता है और यह ज्ञान दैनिक नागरिकता के क्षेत्र में बहुत लाभदायक सिद्ध होता है। इस प्रकार हम कह सकते हैं कि योग्य नागरिक उत्पन्न करना- इतिहास-शिक्षण का उद्देश्य नहीं वरन एक मूल्य है।

प्राचार्य
मीरा मि... ...विद्यालय
शिक्षण एवं प्रशिक्षण संस्थान
पाण्डेयपुर, ताखा, बलिया

(10)

उद्देश्य तथा मूल्य में अन्तर

उद्देश्य	मूल्य
(1) उद्देश्य स्वभावतः दार्शनिक एवं सैद्धान्तिक होते हैं।	(1) मूल्य अपनी प्रकृति में व्यवहारिक एवं वास्तविक होते हैं।
(2) उद्देश्य का निर्धारण विषय के अध्ययन या अध्यापन से पूर्व किया जाता है।	(2) मूल्यों का ज्ञान अध्ययन एवं अध्यापन के बाद होता है।
(3) उद्देश्य की प्राप्ति आवश्यक नहीं है।	(3) मूल्य सदैव प्राप्त होते हैं।

प्राचार्य
मीरा मेमोरियल महाविद्यालय
शिक्षण एवं प्रशिक्षण संस्थान
पाण्डेयपुर, ताखा, बलिया